श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

दिपावली साधनाएं – २०२४

२९-१०-२०२४ से ०३-११-२०२४

धनत्रयोदशी - २९-१०-२०२४
नरक चतुर्दशी - ३१-१०-२०२४ (अभ्यंग स्नान)
दिवाली पूजन - १-११-२०२४
बलिप्रतिपदा - ०२-११-२०२४
दिवाली पाडवा - ०२-११-२०२४
वहीपूजन - ०२-११-२०२४
यम द्वितीया - ०३-११-२०२४
भाऊबीज – ०३-११-२०२४

दिपावली पूजन मुहुर्त- १-११-२०२४

वृषभ लग्न - ६:४५ सायं (6:45 pm) से ८:४५ रात्री(8:45 pm)

सिंह लग्न - रात्री १:१० (मद्यरात्री)(1:10 am) से रात्री ३:१५ (मद्यरात्री)(3:15 am)

हैदराबाद मुहुर्त –लक्ष्मी पूजन

वृषभ लग्न: ६:३५ सायं (6:35 pm) से ८:३५ रात्री (8:35 pm)

सिंह लग्न : १:०० मद्यरात्री (1:00 am) से ३:१० मद्यरात्री (3:10 am)

(१) कुबेर वित्तेश्वर साधना:

विधान: साधक या साधिकाये , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

सामाग्री: कुबेर यंत्र या वित्तेश्वर यंत्र ,कमलबीज माला या शंख माला

मंत्र: || ॐ श्रीं ॐ ह्रीं श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नमः||

या

|| ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन धान्यादि पतये धन धान्य समृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा ||

(अ) जो साधक प्रति वर्ष कुबेर साधना या उपासना करते है वो तीन(३) दिवसीय साधना संपन्न कर सकते है |

नित्य (तीन दिन) यंत्र की पूजन कर मंत्र की २१ माला मंत्र जप करे | पंचोपचार या षोडशोपचार पूजन कर साधना संपन्न कर सकते है ||

(आ) जो साधक व्यापार द्वारा अपनी जीवन करते है वे वित्तेश्वर मंत्र जप करे तो व्यापार में वृद्धि होगी | ऊपर दिया विधान एक या तीन तक करे |

(इ) जो साधक या व्यापारी अपने व्यापार को सर्वोच्चता देना चाहते है तो वे साधक या व्यापारी पूर्ण पुरुश्चरण विधान संपन्न करे |

साधना हेतु ५ दिन तक या ११ दिन मे १२५० माला जप करे | यंत्र की पूजन कर मंत्र जप संपन्न करे तो व्यापार में पूर्ण संमृद्धि होगी | यह साधना धन त्रयोदशी से आरंभ करे |

(२) लक्ष्मी साधना:

विधान: साधक या साधिकाये , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

सामाग्री: श्री यंत्र या लक्ष्मी विग्रह या यंत्र, कमलबीज की माला या लक्ष्मी माला

(अ) यंत्र की या विग्रह का पूर्ण पूजन करे दीपावलि के दिन लक्ष्मी मंत्र की ५१ या १०८ माला जप करे |

मंत्र: || श्रीं ||

या

|| ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः ||

(आ) यंत्र / विग्रह की पूर्ण पूजन कर श्रीसूक्त की १०८ बार पाठ करे तो घर में सुख संमृद्धि एवं शांति प्राप्त होगी | ध्यान रखे की अंत में लक्ष्मी सूक्त का भी एक बार पाठ अवश्य करे |

(इ) यंत्र / विग्रह की पूजन कर कमला मंत्र का १६ माला जप करे

मंत्र: || ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्म्यै नमः ||

इस साधना से लक्ष्मी कृपा एवं सभी प्रकार के ऋणों से मुक्ती होगी |

(ई) इन्द्र पद या श्रेष्ठ पद हेतु, यंत्र/विग्रह की पूजन कर नीचे दिये मंत्र का जप १०८ माला जपे

मंत्र: || ॐ नमः कमलवासिन्यै स्वाहा ||

इन सब साधना ओं के अतिरीक्त साधक चाहे तो,दक्षिणावर्ती शंख साधना,श्री यंत्र प्रयोग,कमला महविद्या साधना,आदि भी कर सकते है |

****